Content

अनुक्रमणिका

भूमिका

प्रथम अध्याय **महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व, छायावाद में स्थान एवं पद्य-गद्य साहित्य का सामान्य परिचय**

महादेवी जी का जीवन-व्यक्तित्व एवं जीवन यात्रा, छायावादी युग, नामकरण, परिभाषा एवं स्वरूप संक्षिप्त में, छायावाद के प्रमुख आधार स्तंभ कवि - प्रसाद, निराला, पन्त एवं छायावाद में महादेवी का स्थान, योगदान संक्षिप्त में, महादेवी जी की पद्य कृतियों का सामान्य परिचय एवं काव्य का महत्व, गद्य साहित्य में महादेवी जी का योगदान एवं उनकी गद्य कृतियों का सामान्य परिचय

द्वितीय अध्याय **हिन्दी गद्य का आरम्भ और विकास**

19वीं सदी के पूर्व से वर्तमान तक गद्य का विकास, आधुनिक हिन्दी गद्य का आरंभ, प्रथम चार आचार्यों का योगदान, साहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं अंग, हिन्दी गद्य साहित्य की विविध विधाएँ - उपन्यास, कहानी, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, पत्र, रिपोर्ताज, यात्रा, गद्य काव्य, निबन्ध और समालोचन

तृतीय अध्याय **महादेवी जी की गद्य विधाएँ**

महादेवी जी के संस्मरण, महादेवी जी के रेखाचित्र, महादेवी जी के निबंध

चतुर्थ अध्याय **समाज, सामाजिक चेतना स्वरूप और दृष्टि**

समाज (परिभाषा एवं स्वरूप, उद्‌भव और विकास, सामाजिक संगठन, परिवार, व्यक्ति और समाज), सामाजिक स्तरीकरण की शुरूआत एवं सिद्धान्त, सामाजिक विकास और वर्ग-संघर्ष की भूमिका (आदिम साम्यवादी व्यवस्था, दास व्यवस्था, पूँजीवादी व्यवस्था), सामाजिक परिवर्तन और जीवन मूल्य (मानव जीवन मूल्य, सामाजिक नैतिकता, वैयक्तिक नैतिकता, परिवार और नैतिकता, समाज शास्त्रीय अध्ययन के आयाम (समाज और राजनीति, समाज और अर्थ, समाज और संस्कृति, समाज और धर्म, समाज और शिक्षा, समाज और साहित्य का सम्बन्ध), चेतना शब्द का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप (दर्शन के क्षेत्र में चेतना का स्वरूप, मनोविज्ञान में चेतना का स्वरूप), सामाजिक चेतना (सामाजिक

परिस्थितियाँ, राजनीतिक परिस्थितियाँ, आर्थिक परिस्थितियाँ, सांस्कृतिक-धार्मिक परिस्थितियाँ, साहित्य और समाज (साहित्य में सामाजिक चेतना, कविता और सामाजिक चेतना, उपन्यास और सामाजिक चेतना, कहानी और सामाजिक चेतना, नाटक और सामाजिक चेतना)

पंचम अध्याय **महादेवी वर्मा के गद्य-साहित्य में सामाजिक चेतना**

वर्ग संघर्ष एवं मानवीय चेतना (वर्ग समस्या, उच्चवर्ग, मध्यमवर्ग एवं निम्नवर्ग, पारिवारिक समस्याएँ, संयुक्त परिवार की समस्या एवं विघटन के कारण, विमाता का अत्याचार, बाल विवाह, विधवा नारी संघर्ष तथा उसकी समस्याएँ, अवैध मातृत्व, परित्यक्ता नारी, वैश्या समस्या या वैश्यावृत्ति, अछूत समस्या, हिन्दू शास्त्रों की मान्यता, महादेवी वर्मा और भारतीय नारी की समस्या एवं महत्त्व (भारतीय घरों में नारी की स्थिति, उपेक्षित करके सहनशीलता का उपहार दिया, नारी चाहती है मूल अधिकार एवं सुरक्षित जीवन, नारी शिक्षा एवं कर्तव्य, नारी के जन्म, विवाह की चिन्ता एवं समस्या, नारी और नौकरी, साहित्य सर्जक के रूप में नारी, नारी के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न, नारी और दहेज प्रथा, नारी और वैश्या-जीवन, महादेवी वर्मा का अन्याय के खिलाफ विचार, आधुनिकताओं की भर्त्सना एवं समन्वय का सिद्धान्त, नारी : त्याग की देवी

षष्ठ अध्याय **महादेवी वर्मा के गद्य साहित्य में वैयक्तिक संवेदनाएँ**

संवेदना (संवेदना शब्द की व्युत्पत्ति, महादेवी की वैयक्तिक संवेदना, महादेवी के गद्य साहित्य में वैयक्तिक संवेदनाएँ, मानवीय संवेदना, पशु-पक्षी संवेदना), महादेवी और युग बोध (आधुनिक समाज, पुरुष और नारी सम्बन्ध, शिक्षा की स्थिति, धर्म की स्थिति, आधुनिक राजनीति, आर्थिक स्थिति, बौद्धिकता एवं बुद्धिजीवी वर्ग

सप्तम अध्याय **साहित्यकार संसद भवन की एक मुलाकात एवं महादेवी के संदर्भ में साहित्यकारों का साक्षात्कार**

साहित्यकार संसद भवन इलाहाबाद की एक मुलाकात, साहित्यकार संसद भवन के वर्तमान समय के प्रधानमंत्री श्री प्रद्युम्ननाथ तिवारी (करुणेश) जी का साक्षात्कार (महादेवी के संदर्भ में), अन्य साहित्यकारों का साक्षात्कार महादेवी के संदर्भ में पुस्तकों एवं पत्रिकाओं के माध्यम से शोध किया

अष्ठम अध्याय **उपसंहार**

उपसंहार में मैंने अपने शोध-अध्ययन द्वारा प्राप्त निष्कर्ष को प्रस्तुत किया है। साथ ही मुझे सहायता व सहयोग करने वाले महानुभावों का आभार व्यक्त किया है। अन्त में सहायक ग्रन्थों की सूची प्रस्तुत की गयी है।